# मंगल की सेवा सुन मेरी देवा

मंगल की सेवा सुन मेरी देवा
मंगल की सेवा सुन मेरी देवा,
हाथ जोड तेरे द्वार खडे ।
पान सुपारी ध्वजा नारियलयल,
ले ज्वाला तेरी भेट धरे ॥

सुन जगदम्बे न कर विलम्बेलम्बे,
संतन केभडांर भरे ।
संतन प्रतिपालीपाली सदा खुशहाली,
जय काली कल्याण करे ॥

बुद्धि विधाताधाता तू जग माता,
मेरा कारज सिद्धद्ध करे ।
चरण कमल का लियाया आसरा,
शरण तुम्हारी आन पडे ॥

जब-जब भीड पडी भक्तन पर,
तब-तब आप सहाय करे ।
संतन प्रतिपालीपाली सदा खुशाली,
जय काली कल्याण करे ॥

गुरु केवार सकल जग मोहयो,
तरुणी रूप अनूप धरे ।
माता होकर पुत्र खिलावे
लावे,
कही भार्या भोग करे ॥

शुक्र सुखदाई सदा सहाई,
संत खडे जयकार करे ।
सन्तन प्रतिपालीपाली सदा खुशहाली,
जै काली कल्याण करे ॥

ब्रह्मा विष्णुष्णु महेश फल लियेये,

भेट देन तेरे द्वार खडे ।
अटल सिहांसनहांसन बैठी मेरी माता,
सिरर सोने का छत्र फिरेरे ॥

वार शनिचरचर कुमकुम बरणो,
जब लुंकड़ पर हुकुम करे ।
सन्तन प्रतिपालीपाली सदा खुशाली,
जै काली कल्याण करे ॥

खड्ग खप्पर त्रिशुलशुल हाथ लियेये,
रक्त बीज को भस्म करे ।
शुम्भ-निशुम्भशुम्भ को क्षण में मारे,
महिषासुरषासुर को पकड दले ॥

आदितत वारी आदि भवानी,
जन अपने को कष्ट हरे ।
संतन प्रतिपालीपाली सदा खुशहाली,
जै काली कल्याण करे ॥

कुपित
त होकर दानव मारे,
चण्ड-मुण्ड सब चूर करे ।
जब तुम देखी दया रूप हो,
पल में सकंट दूर करे ॥

सौम्य स्वभाव धरयो मेरी माता,
जन की अर्ज कबूल करे ।
सन्तन प्रतिपालीपाली सदा खुशहाली,
जै काली कल्याण करे ॥

सात बार की महिमामा बणनी,
सब गुण कौन बखान करे ।
सिंहंह पीठ पर चढी भवानी,
अटल भवन में राज्य करे ॥

दर्शनन पावे मंगल गावे,
सिद्धद्ध साधक तेरी भेट धरे ।
संतन प्रतिपालीपाली सदा खुशहाली,
जै काली कल्याण करे ॥

ब्रह्मा वेद पढे तेरे द्वारे,
शिवव शंकर हरी ध्यान धरे ।
इन्द्रर कृष्ण तेरी करे आरती,
चंवर कुबेर डुलाय रहे ॥

जय जननी जय मातु भवानी,
अटल भवन में राज्य करे ।
संतन प्रतिपालीपाली सदा खुशहाली,
जय काली कल्याण करे ॥

मंगल की सेवा सुन मेरी देवा,
हाथ जोड तेरे द्वार खडे ।
पान सुपारी ध्वजा नारियलयल,
ले ज्वाला तेरी भेट धरे ॥

मंगल की सेवा सुन मेरी देवा,
हाथ जोड तेरे द्वार खडे ।
पान सुपारी ध्वजा नारियलयल,
ले ज्वाला तेरी भेट धरे ॥